N.E.W. SEMINARY व्याख्यान सामग्री

# मीका की पुस्तक और लघु भविष्यद्वक्ताओं का परिचय

पास्टर हून किम, 22 सितंबर 2026, मीका 1:1-9

पास्टर हून किम मीका की पुस्तक का परिचय देते हुए यह दर्शाते हैं कि कैसे बारह लघु भविष्यद्वक्ता एक एकीकृत उद्धारकारी वृत्तांत के रूप में कार्य करते हैं जो मसीह और उनके बचे हुए लोगों की ओर संकेत करता है। वह ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी की समृद्धि के नीचे छिपे खतरनाक आत्मिक सड़ांध की जाँच करते हैं, और सेवकों को भविष्यद्वाणी विलाप और पूर्ण पश्चाताप को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान करते हैं।

N.E.W. Church के पास्टर हून किम की शिक्षा। AI की सहायता से अंग्रेज़ी से अनुवाद किया गया। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।

सुनने, डाउनलोड करने और साझा करने के लिए निःशुल्क: newexodusseminary.org/hi/2026-09-22-new-micah-1-introduction-to-the-book-of-micah/

एक नज़र में · शिक्षा के नोट्स · पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका · शब्द अध्ययन · स्थान और समयरेखा · शिक्षा की रूपरेखा · अध्ययन मार्गदर्शिका · प्रार्थना · दोहराने के प्रश्न · तीन मिनट में

---

## एक नज़र में

### एक नज़र में: मीका की पुस्तक और लघु भविष्यद्वक्ताओं का परिचय

- **तारीख:** 22 सितंबर, 2026
- **वक्ता:** पास्टर हून किम (पापा किम)
- **मुख्य अंश:** मीका 1:1–9 (2 राजा 14:23–29 और मीका 1:10–14 के संदर्भ के साथ)
- **अंग्रेज़ी बाइबल:** New International Version (NIV)

**मूल सत्य**

परमेश्वर अपनी कलीसिया को बुलाते हैं कि वह लघु भविष्यद्वक्ताओं को केवल प्राचीन इतिहास के रूप में न पढ़े, बल्कि एक ऐसे दर्पण के रूप में पढ़े जो झूठी सुरक्षा और भ्रष्ट आराधना को उजागर करता है, और एक ऐसी खिड़की के रूप में जो उस मसीह को प्रकट करती है जो एक नम्र बचे हुए भाग को सुरक्षित रखते हैं और पूरी तरह से पुनर्स्थापित करते हैं।

**सारांश**

मीका और लघु भविष्यद्वक्ताओं पर इस परिचयात्मक व्याख्यान में, पास्टर हून किम यह दर्शाते हैं कि बारह भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक कैसे एक दूसरे से जुड़े हुए, एकीकृत रूप में कार्य करती है, जो इस्राएल, यहूदा, और अन्यजातियों के साथ परमेश्वर के संप्रभु व्यवहार को दर्शाती है। मीका को ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी के ऐतिहासिक संदर्भ में रखते हुए, पास्टर किम यारोबाम द्वितीय के अधीन हुए सैन्य और आर्थिक उछाल की तुलना उस विनाशकारी आत्मिक व्यभिचार और झूठी सुरक्षा से करते हैं जिसने क्रूर नव-अश्शूरी संकट को निमंत्रण दिया। आठवीं शताब्दी के भविष्यद्वक्ताओं (होशे, आमोस, और मीका) के तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से, वह बताते हैं कि कैसे बाहरी धार्मिक औपचारिकता और सैन्य आत्मनिर्भरता पूरी तरह अपमान की ओर ले जाती है, और मीका के भौगोलिक शब्द-क्रीड़ा का उपयोग करके यह दिखाते हैं कि अविश्वासयोग्यता हर नगर को छूती है। पास्टरों से आग्रह किया जाता है कि वे एक सच्चा भविष्यद्वाणी हृदय विकसित करें: भ्रष्ट हो चुकी आराधना पर रोना और विलाप करना, भविष्यद्वाणी वचन को आत्म-परीक्षण के दर्पण के रूप में ग्रहण करना, और मसीह को उस प्रतिज्ञा किए गए चरवाहे के रूप में थामना जो बचे हुए लोगों को पूर्ण पुनर्स्थापना प्रदान करते हैं।

#### मुख्य भाग

1. **एक एकीकृत पुस्तक के रूप में बारह भविष्यद्वक्ता:** मसीह, बचे हुए लोगों की कलीसिया, और यहोवा के दिन पर केंद्रित होते हुए, होशे से मलाकी तक की विषयगत प्रगति को देखना।
2. **ऐतिहासिक संदर्भ: समृद्धि और अश्शूरी ख़तरा:** यारोबाम द्वितीय के तहत सीमाओं के विस्तार (2 राजा 14) और नव-अश्शूरी साम्राज्य के बढ़ते आतंक की जाँच करना।
3. **आठवीं शताब्दी के भविष्यद्वक्ताओं की तुलना (होशे, आमोस, मीका):** आत्मिक व्यभिचार, सामाजिक अन्याय, और नेतृत्व के भ्रष्टाचार की तुलना परमेश्वर के वाचा-प्रेम, धार्मिकता, और आने वाले मसीह से करना।
4. **भविष्यद्वाणी विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्द-क्रीड़ा:** पूर्ण पश्चाताप और आशा के आह्वान के रूप में मीका के शारीरिक शोक (मीका 1:8) और शेफेलाह के नगरों पर भविष्यद्वाणी व्यंग्योक्ति (मीका 1:10–14) को समझना।

---

# शिक्षा के नोट्स

## शिक्षण नोट्स: मीका की पुस्तक और लघु भविष्यद्वक्ताओं का परिचय

#### 1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी का संसार:** मीका ने ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी में यहूदा के राजा योताम, आहाज, और हिजकिय्याह के शासनकाल में सेवकाई की [मीका 1:1]। उनकी सेवकाई यहूदा में यशायाह के समकालीन थी और इस्राएल में आमोस और होशे की पूर्ववर्ती/समकालीन सेवकाइयों के साथ जुड़ी हुई थी।
- **यारोबाम द्वितीय का युग (2 राजा 14:23–29):**

- यारोबाम द्वितीय ने सामरिया में 41 वर्ष (789–748 ईसा पूर्व) राज्य किया।
- इस्राएल ने एक विशाल आर्थिक और क्षेत्रीय पुनरुत्थान का अनुभव किया, जिसकी सीमाएं उत्तर में लबो-हमात से लेकर दक्षिण में मृत सागर (अराबा का ताल) तक फैल गईं, और उसने दमिश्क और हमात को वापस प्राप्त कर लिया [2 राजा 14:25, 28]।
- इस पुनरुद्धार की भविष्यद्वाणी गत-हेपेर के अमिते के पुत्र योना द्वारा की गई थी [2 राजा 14:25]।
- यह विस्तार इसलिए संभव हुआ क्योंकि नव-अश्शूरी साम्राज्य अस्थायी आंतरिक राजनीतिक संकट और कमजोरी का सामना कर रहा था।
- यहूदा ने अमास्याह और उज्जियाह के अधीन समानांतर विस्तार का अनुभव किया, जो दक्षिण में अराबा की ओर बढ़ा।
- **अश्शूरी पुनरुत्थान:**
- यारोबाम द्वितीय के प्रारंभिक शासनकाल के लगभग पचास वर्ष बाद, नव-अश्शूरी साम्राज्य ने पश्चिमी सैन्य अभियान शुरू किए।
- अश्शूर अपनी अत्यधिक क्रूरता, भूमि को पूरी तरह तबाह करने की रणनीतियों, नरसंहार, बड़े पैमाने पर देश-निकाले, और घोर तबाही के लिए कुख्यात था।
- अराम (सीरिया) और उत्तरी इस्राएल ने एक अश्शूर-विरोधी गठबंधन बनाया और यहूदा पर इसमें शामिल होने का दबाव डाला, जिससे यहूदा द्वारा इनकार करने पर गृह-संघर्ष छिड़ गया।
- 722 ईसा पूर्व में सामरिया का पतन हो गया [2 राजा 17]। बाद में अश्शूरी सेनाएँ यरूशलेम की ओर बढ़ते हुए यहूदा के शेफेलाह के मध्यवर्ती नगरों से होकर गुजरीं।
- **समकालीन प्रासंगिकता:**
- पास्टर किम ने उल्लेख किया कि अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति (उदाहरण के लिए, अमेरिका, ईरान, रूस, यूक्रेन के बीच तनाव, और अफ़्रीकी और मध्य पूर्वी खनिज संसाधनों के लिए चीन की प्रतिस्पर्धा) प्राचीन सत्ता-संघर्षों को दर्शाती है। भविष्यद्वक्ता विश्वासियों को सिखाते हैं कि वे वैश्विक मामलों के पीछे परमेश्वर के संप्रभु हाथ को पहचानें और अपने देशों के लिए गंभीरता से प्रार्थना करें (विशेष रूप से मलावी और ज़ाम्बिया के पास्टरों को चुनौती देते हुए)।

### 2. पुरातत्व और भूगोल

- **लबो-हमात और मृत सागर:** सबसे उत्तरी और सबसे दक्षिणी सीमा चिह्न जो दाऊद और सुलैमान की आदर्श सीमाओं को परिभाषित करते हैं, जिन्हें यारोबाम द्वितीय के तहत पुनर्स्थापित किया गया था [2 राजा 14:25]।
- **लाकीश:** शेफेलाह सुरक्षा-गलियारे में यहूदा का एक प्रमुख क़िलेबंद नगर। पास्टर किम ने लाकीश की पहचान सुलैमान के युग की एक प्रमुख सैन्य छावनी के रूप में की, जो मिस्री युद्ध के घोड़ों और रथों के आयात के लिए जाना जाता था। मीका इसे "सियोन की बेटी के लिए पाप का आरंभ" कहकर दोषी ठहराता है (मीका 1:13) क्योंकि यहूदा ने यहोवा के बजाय यांत्रिक घुड़सवार सेना पर अपना भरोसा रखा।
- **मोरेषत-गत:** यहूदा के निचले प्रदेश (शेफेलाह) में मीका का गृहनगर, जो पलिश्तियों के प्राचीन गत के निकट था।

- **शेफेलाह के नगर (मीका 1:10–14):** एक भौगोलिक क्रम जो दक्षिणी यहूदा से होकर यरूशलेम के फाटकों की ओर अश्शूरी आक्रमण के मार्ग को दर्शाता है।

### 3. मूल भाषा की अंतर्दृष्टि

- **Adonai Tzevaot (אֲדֹנָי צְבָאוֹת):** "सेनाओं का यहोवा" या "सैन्य दलों का प्रभु।" भविष्यद्वाणी के धर्मशास्त्र में, वह स्वर्गीय राजा और सेनापति हैं जो अविश्वासयोग्यता का न्याय करने और अपने बचे हुए लोगों को निर्दोष ठहराने के लिए अपने ब्रह्मांडीय पवित्रस्थान से नीचे उतरते हैं [भविष्यद्वाणी के जोड़ने वाले विषय]।
- **Shuv (שׁוּב):** "लौटना" या "मन फिराना।" होशे की केंद्रीय विषयगत क्रिया, जो परमेश्वर की अपनी अविश्वासयोग्य दुल्हन से वाचा के संबंध में वापस लौटने की विनती को दर्शाती है।
- **Tzedeq / Tzedaqah (צֶדֶק / צְדָקָה):** "धार्मिकता" और "न्याय।" वाचा के शोषण और सामाजिक उत्पीड़न के विरुद्ध आमोस की मुख्य धर्मशास्त्रीय माँग।
- **Ambuye:** "प्रभु" / "स्वामी" के लिए चिचेवा शब्द, जिसका उपयोग पास्टर किम ने आमोस की इस चुनौती को प्रासंगिक बनाने के लिए किया: "आपका सच्चा Ambuye कौन है?"
- **मीका 1:10–14 में शब्द-क्रीड़ा:**
- *Gath* (גַּת): ध्वनि-साम्य द्वारा क्रिया *taggidu* (תַּגִּידוּ, "मत बताओ/घोषणा मत करो") से जुड़ा हुआ है।
- *Beth Ophrah* (בֵּית לְעַפְרָה): "धूल का घर"; मीका उन्हें धूल (*aphar*) में लोटने की आज्ञा देता है।
- *Shaphir* (שָׁפִיר): "सुहावना" या "सुंदरता"; लज्जाजनक नग्नता में चला जाएगा।
- *Moresheth* (מוֹרֶשֶׁת): *me'orashah* ("मंगेतर") या *morashah* ("संपत्ति/विदाई का उपहार") से जुड़ा हुआ है; आक्रमणकारियों को विदाई के वधु-मूल्य के रूप में दे दिया जाएगा।

### 4. आत्मिक सत्य और अनुप्रयोग

- **लघु भविष्यद्वक्ताओं की एकता:** बारह स्क्रॉल एक नाटकीय पुस्तक बनाते हैं जो इस क्रम में आगे बढ़ती है:
- परमेश्वर का विश्वासयोग्य प्रेम बनाम आत्मिक व्यभिचार (होशे)।
- यहोवा का दिन (योएल)।
- सभी जातियों पर संप्रभु न्याय (आमोस)।
- घमंड के कारण निकट संबंधियों पर न्याय (ओबद्याह)।
- अन्यजातियों पर निरंतर दया (योना)।
- मसीह और बचे हुए लोग (मीका)।
- अत्याचारी सांसारिक साम्राज्यों के विरुद्ध अटल प्रतिशोध (नहूम)।
- संकट के समय विश्वास से जीना (हबक्कूक)।
- ब्रह्मांडीय न्याय (सपन्याह)।
- मंदिर का पुनर्निर्माण (हाग्गै)।

- नया यरूशलेम और राजकीय याजकपद (जकर्याह)।
- सच्ची आराधना को पुनर्स्थापित करना (मलाकी)।
- **व्याख्या का सिद्धांत: दर्पण और खिड़की:**
- *दर्पण:* पास्टरों को भविष्यद्वाणी के आरोपों को अपने स्वयं के पापों को पहचानने के लिए पढ़ना चाहिए: औपचारिक आराधना, समझौतावादी नेतृत्व, वित्तीय आत्मनिर्भरता, और नैतिक पतन।
- *खिड़की:* न्याय के पार मसीह में परमेश्वर के अंतिम उद्देश्य को देखना: एक शुद्ध, नम्र बचे हुए भाग (कलीसिया) का निर्माण जो न्याय, दया, और नम्रता के साथ चलता है (मीका 6:8)।
- **भविष्यद्वाणी दृष्टिकोण (मीका 1:8):**
- इससे पहले कि एक भविष्यद्वक्ता दूसरों के लिए न्याय का प्रचार कर सके, उसे अपने लोगों की ओर से भावनात्मक रूप से टूटने और पश्चाताप का अनुभव करना होगा।
- मीका एक बंदी के समान नंगे पैर और निर्वस्त्र होकर घूमा, गीदड़ के समान रोया और उल्लू के समान विलाप किया। सच्ची भविष्यद्वाणी सेवकाई मृत आराधना पर टूटे हुए हृदय के आँसू बहाती है।
- **पूर्ण न्याय, पूर्ण पुनर्स्थापना:**
- परमेश्वर का न्याय किसी भी मूर्तिपूजक पहाड़ी को अछूता नहीं छोड़ता; इसलिए, मसीह में उनका उद्धारकारी अनुग्रह पूरी तरह से हर दूरदराज के गाँव, कस्बे, और कलीसिया तक पहुँचेगा (यरूशलेम से लेकर सलीमा और कारोन्गा तक)।

---

# पवित्रशास्त्र मार्गदर्शिका

## शास्त्र निर्देशिका

### स्रोत में शास्त्रीय संदर्भ

| संदर्भ | उपयोग का प्रकार | कहाँ | पास्टर किम ने इससे क्या निष्कर्ष निकाला | निश्चितता |
|---|---|---|---|---|
| **मीका 1:1–9** | पढ़ा और भावार्थ दिया गया | भविष्यद्वाणी का विलाप और शब्दों का खेल | भ्रष्ट आराधना और ऊँचे स्थानों के कारण सामरिया और यरूशलेम का न्याय करने के लिए सेनाओं के यहोवा का अपने स्वर्गीय धाम से उतरना; मीका का विलाप से भरा टूटा हुआ हृदय (नंगे पैर, निर्वस्त्र, सियार, शुतुरमुर्ग)। | उच्च |
| **मीका 1:10–14** | उद्धृत और भावार्थ दिया गया | भविष्यद्वाणी का विलाप और शब्दों का खेल | शेफेला के नगरों (गात, बेत-अप्रा, शापीर, लाकीश, मोरेषत-गात) पर भविष्यद्वाणी के शब्दों का खेल, जो दर्शाता है कि अश्शूरी आक्रमण के | उच्च |

| संदर्भ | उपयोग का प्रकार | कहाँ | पास्टर किम ने इससे क्या निष्कर्ष निकाला | निश्चितता |
|---|---|---|---|---|
| | | | तहत आत्मनिर्भरता, सैन्य घमंड और झूठी सुरक्षा लज्जा में बदल जाएगी। | |
| **2 राजा 14:23–29** | पूरा पढ़ा गया | ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: समृद्धि | यारोबाम द्वितीय के 41 वर्ष के शासन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: अमितातै के पुत्र योना की भविष्यद्वाणी के अनुसार लबो-हमात से लेकर अराबा के ताल (मृत सागर) तक इस्राएल की सीमाओं की पुनर्प्राप्ति; पतन से पहले शांति और आर्थिक विस्तार। | उच्च |
| **होशे 1:1** | उद्धृत और समग्र पृष्ठभूमि | ऐतिहासिक पृष्ठभूमि / 8वीं सदी की तुलना | यहूदा और इस्राएल के राजाओं के साथ आठवीं सदी के समकालीन संदर्भ को स्थापित करता है; समृद्धि के युग के दौरान आत्मिक व्यभिचार और वाचा की बेवफाई को संबोधित करता है। | उच्च |
| **आमोस 1:1** | उद्धृत और समग्र पृष्ठभूमि | ऐतिहासिक पृष्ठभूमि / 8वीं सदी की तुलना | उज्जियाह और यारोबाम द्वितीय के तहत आठवीं सदी के संदर्भ को स्थापित करता है; सामाजिक अन्याय का सामना करता है और जातियों पर परमेश्वर की संप्रभुता की घोषणा करता है। | उच्च |
| **मीका 5:2 (मत्ती 1 के रूप में उद्धृत)** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | बैतलेहम में मसीह के जन्म और मसीही राज्य की पुनर्स्थापना की भविष्यद्वाणी। | उच्च |
| **हबक्कूक 2:4** | उद्धृत | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | "धर्मी अपने विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा," जो हबक्कूक का मुख्य विषय और नए नियम में उद्धृत आधारभूत वचन है। | उच्च |
| **योना 1–4** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | मूर्तिपूजक नीनवे द्वारा पश्चाताप करने पर उस पर प्रकट की गई परमेश्वर की निरंतर दया। | उच्च |

| संदर्भ | उपयोग का प्रकार | कहाँ | पास्टर किम ने इससे क्या निष्कर्ष निकाला | निश्चितता |
|---|---|---|---|---|
| **नहूम 1–3** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | नए सिरे से किए गए विद्रोह के कारण योना के सौ वर्ष बाद नीनवे पर परमेश्वर का अटल प्रतिशोध और उसका पूर्ण विनाश; प्रकाशितवाक्य के लिए बाइबलीय आधार। | उच्च |
| **ओबद्याह 1–21** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | घमंड और अहंकार के कारण एदोम (इस्राएल का सबसे करीबी घराना) पर परमेश्वर का न्याय। | उच्च |
| **योएल 1–3** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | यहोवा का दिन, जो न्याय और उद्धार की एक ब्रह्मांडीय वास्तविकता है। | उच्च |
| **सपन्याह 1–3** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | सभी अधर्म के विरुद्ध सार्वभौमिक, ब्रह्मांडीय न्याय। | उच्च |
| **हाग्गै 1–2** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए बंधुआई के बाद का दर्शन। | उच्च |
| **जकर्याह 1–14** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | नए यरूशलेम और राजकीय याजकपद का दर्शन। | उच्च |
| **मलाकी 1–4** | संकेत किया गया | बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में | पुनर्स्थापित, शुद्ध वाचा सम्बन्धी आराधना और पिता के रूप में परमेश्वर के आदर का दर्शन। | उच्च |
| **आमोस 9:11** | संकेत किया गया | 8वीं सदी के नबियों की तुलना | छुड़ाए हुए लोगों के लिए दाऊद की गिरी हुई झोपड़ी को पुनर्स्थापित करने की परमेश्वर की प्रतिज्ञा। | उच्च |

| संदर्भ | उपयोग का प्रकार | कहाँ | पास्टर किम ने इससे क्या निष्कर्ष निकाला | निश्चितता |
|---|---|---|---|---|
| **होशे 3:1–5** | संकेत किया गया | 8वीं सदी के नबियों की तुलना | परमेश्वर का होशे को अविश्वासी गोमेर को वापस अपनाने की आज्ञा देना, जो परमेश्वर के पुनर्स्थापित करने वाले प्रेम (*shuv*) का एक जीवंत चित्र है। | उच्च |

### ऐतिहासिक और बाइबलीय पृष्ठभूमि

मीका ने यहूदा के राजाओं योताम, आहाज और हिजकिय्याह के शासनकाल (आठवीं सदी ईसा पूर्व के उत्तरार्ध, लगभग 735–700 ईसा पूर्व) के दौरान भविष्यद्वाणी की, जो यहूदा में यशायाह और उत्तर में होशे तथा आमोस के समकालीन थे। यारोबाम द्वितीय (789–748 ईसा पूर्व) और उज्जियाह (758–743 ईसा पूर्व) के अधीन पिछली पीढ़ी ने अश्शूरी साम्राज्य की अस्थायी आंतरिक कमजोरी के कारण अभूतपूर्व क्षेत्रीय विस्तार, व्यापारिक धन और सैन्य सुदृढ़ीकरण देखा था (2 राजा 14:23–29)। हालाँकि, समृद्धि ने आत्मिक सड़न को जन्म दिया: स्थानीय ऊँचे स्थानों पर समन्वयवादी आराधना, याजकों और शासकों के बीच संस्थागत भ्रष्टाचार, कमज़ोरों का शोषण, और मूर्तिपूजक शक्तियों के साथ गठबंधन। जब नव-अश्शूरी साम्राज्य तिग्लत-पिलेसेर तृतीय के अधीन पुनः जाग उठा और पश्चिम की ओर बढ़ा, तो उत्तरी इस्राएल नष्ट कर दिया गया (722 ईसा पूर्व), और बाद में सन्हेरीब यहूदा के तराई वाले गढ़वाले नगरों में से होकर निकला (701 ईसा पूर्व), जिससे स्वयं यरूशलेम पर खतरा मंडराने लगा।

### मुख्य अनुप्रयोग और विषयगत संबंध

पास्टर किम कई महत्वपूर्ण धर्मवैज्ञानिक संबंध प्रस्तुत करते हैं:

1. **एकल पुस्तक के रूप में बारह नबी:** छोटे नबी अलग-थलग ऐतिहासिक अंश नहीं हैं। वे वाचा की बेवफाई (होशे) से लेकर ब्रह्मांडीय न्याय और नवीनीकरण की ओर क्रमबद्ध रूप से बढ़ते हैं, और मीका द्वारा बचे हुए लोगों तथा मसीह के प्रकटीकरण में अपने धर्मवैज्ञानिक शिखर पर पहुँचते हैं।
2. **भविष्यद्वाणी का अर्थविज्ञान (दर्पण और खिड़की):** भविष्यद्वाणी के दोषारोपणों को पहले आधुनिक पास्टर और कलीसिया के लिए एक *दर्पण* का काम करना चाहिए, जो लालच, आत्मनिर्भरता और समन्वयवाद को उजागर करता है। केवल तभी वे आशा की एक *खिड़की* के रूप में काम करते हैं, जिसमें मसीह को देखा जाता है, जो नई बची हुई कलीसिया का निर्माण करते हैं।
3. **सच्ची भविष्यद्वाणी सेवकाई:** भविष्यद्वाणी कोई विजयोल्लासपूर्ण भविष्य-कथन नहीं है; यह गहरे दुःख और पतन की ओर जाते हुए लोगों के साथ मध्यस्थता की पहचान से शुरू होती है (मीका 1:8)।
4. **शारीरिक सुरक्षा की विडंबना:** मीका 1:10–14 में सूचीबद्ध प्रत्येक नगर ने अपनी नाम-आधारित शक्ति (सुंदरता, युद्ध के घोड़े, वैवाहिक सुरक्षा) पर भरोसा किया, फिर भी प्रत्येक धूल और नग्न बंधुआई में तब्दील हो गया। जहाँ न्याय संपूर्ण होता है, वहाँ परमेश्वर का अनुग्रह भी संपूर्ण होगा।

### संभावित चूक और दर्ज की गई अनिश्चितताएँ

- **मत्ती 1 बनाम मत्ती 2:5–6:** पास्टर किम ने कहा कि मीका की यह भविष्यद्वाणी कि मसीह का जन्म बैतलेहम में होगा (मीका 5:2), "मत्ती 1" में उद्धृत है। सटीक उद्धरण मत्ती 2:5–6 में दिखाई देता है (मत्ती 1

में वंशावली और यशायाह 7:14 का उद्धरण है)।

- **इब्रानियों के उद्धरण की संख्या:** पास्टर किम ने उल्लेख किया कि "इब्रानियों की पुस्तक नए नियम में इसे [हबक्कूक 2:4] तीन बार उद्धृत करती है।" यह वाक्यांश कि "धर्मी विश्वास से जीवित रहेगा" पूरे नए नियम में तीन बार आता है: रोमियों 1:17, गलतियों 3:11, और इब्रानियों 10:38।
- **गात का अर्थ:** पास्टर किम ने गात को "बताना" या "घोषणा करना" (*taggidu*) से जोड़ा। भाषाई रूप से, "बताने" के लिए हिब्रू शब्द *nagad* है (हिफिल रूप में, *al-taggidu*), जो *Gath* (जिसका शाब्दिक अर्थ "दाख की चरस" है) के समान ध्वनि करता है। यह पाठ जानबूझकर किया गया एक ध्वन्यात्मक शब्दों का खेल है (*begat al-taggidu*)।
- **पढ़ने में तिथि की चूक:** 2 राजा 14:23 में, पाठ "अमस्याह के पंद्रहवें वर्ष" को दर्ज करता है, जिसे "50वें" के प्रारंभिक प्रतिलेखन भ्रम के बाद स्पष्ट किया गया था।

---

# शब्द अध्ययन

## मूल शब्दों का अध्ययन

### 1. अदोनई सबाओत (Adonai Tzevaot - אֲדֹנָי צְבָאוֹת)

- **उच्चारित रूप:** Adonai Tzevaot / Adonai Zeva'ot
- **लिप्यंतरण:** *ʾĂdōnāy Ṣəḇāʾôṯ*
- **मूल लिपि:** אֲדֹנָי צְבָאוֹת
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "सेनाओं का यहोवा," स्वर्गीय राजा, संप्रभु शासक, धर्मी न्यायी, और स्वर्गीय सेनाओं का सेनापति जो भ्रष्ट आराधना का न्याय करने और अपनी वाचा के लोगों को छुड़ाने के लिए अपने स्वर्गीय महल से नीचे उतरता है।
- **शास्त्रवचन:** मीका 1:3; छोटे नबियों की पुस्तकों को जोड़ने वाला विषय।
- **भाग का शीर्षक:** बारह नबियों की पुस्तक एक एकीकृत पुस्तक के रूप में।

### 2. शूभ (Shuv - שׁוּב)

- **उच्चारित रूप:** shuv
- **लिप्यंतरण:** *šûḇ*
- **मूल लिपि:** שׁוּב
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "लौटना" या "मन फिराना।" परमेश्वर इस्राएल को अपनी ओर लौटने की आज्ञा देता है, और यह प्रतिज्ञा करता है कि वह उनकी ओर लौटेगा; वाचा की पुनर्स्थापना के होशे के संदेश का केंद्रीय धर्मवैज्ञानिक विषय।

- **शास्त्रवचन:** होशे (सामान्य विषय, उदाहरण के लिए, होशे 6:1; 14:1)।
- **भाग का शीर्षक:** आठवीं सदी के नबियों की तुलना: होशे, आमोस, और मीका।

#### 3. त्सेदेक / त्सेदाका (Tzedeq / Tzedaqah - צֶדֶק / צְדָקָה)

- **उच्चारित रूप:** tzedeq या tzedaqah
- **लिप्यंतरण:** *ṣeḏeq* / *ṣəḏāqāh*
- **मूल लिपि:** צֶדֶק / צְדָקָה
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "धार्मिकता" और "न्याय।" आमोस की पुस्तक में इस्राएल और आसपास के सभी राष्ट्रों पर परमेश्वर की संप्रभु माँग।
- **शास्त्रवचन:** आमोस (उदाहरण के लिए, आमोस 5:24)।
- **भाग का शीर्षक:** आठवीं सदी के नबियों की तुलना: होशे, आमोस, और मीका।

#### 4. अंबूये (Ambuye)

- **उच्चारित रूप:** ambuye
- **भाषा:** चिचेवा (मलावी/ज़ाम्बिया की बांटू भाषा)
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "प्रभु," "स्वामी," या "मालिक।" कलीसिया से आमोस के मूल प्रश्न को स्पष्ट करने के लिए संदर्भात्मक रूप से उपयोग किया गया: "आपका सच्चा मालिक और प्रभु कौन है?"
- **शास्त्रवचन:** आमोस 1 (वैचारिक रूप से लागू)।
- **भाग का शीर्षक:** आठवीं सदी के नबियों की तुलना: होशे, आमोस, और मीका।

#### 5. गात / तग्गीदू (Gath / Taggidu - גַּת / תַּגִּידוּ)

- **उच्चारित रूप:** Gath
- **लिप्यंतरण:** *Gat* / *taggîḏû*
- **मूल लिपि:** גַּת / תַּגִּידוּ
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** पास्टर किम ने सिखाया कि हिब्रू में गात का अर्थ "बताना" या "घोषणा करना" है।
- **शास्त्रवचन:** मीका 1:10।
- **भाग का शीर्षक:** भविष्यद्वाणी का विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्दों का खेल।

#### 6. बेत-अप्रा (Beth Ophrah - בֵּית לְעַפְרָה)

- **उच्चारित रूप:** Beth Ophrah / Beth Aphrah
- **लिप्यंतरण:** *Bêṯ ləʻafrāh*
- **मूल लिपि:** בֵּית לְעַפְרָה

- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "धूल का घर।" मीका वहाँ के निवासियों को धूल (*‘āfār*) में लोटने की आज्ञा देता है, जो न्याय के अधीन अत्यधिक दुःख, अपमान और शोक को दर्शाता है।
- **शास्त्रवचन:** मीका 1:10।
- **भाग का शीर्षक:** भविष्यद्वाणी का विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्दों का खेल।

#### 7. शापीर (Shaphir - שָׁפִיר)

- **उच्चारित रूप:** Shaphir
- **लिप्यंतरण:** *Šāfîr*
- **मूल लिपि:** שָׁפִיר
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "सुंदरता" या "मनोहरता।" विडंबनापूर्ण विषमता यह है कि सुंदरता का यह नगर लज्जास्पद, नग्न बंधुआई में चला जाएगा।
- **शास्त्रवचन:** मीका 1:11।
- **भाग का शीर्षक:** भविष्यद्वाणी का विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्दों का खेल।

#### 8. मोरेषत-गात (Moresheth Gath - מוֹרֶשֶׁת גַּת)

- **उच्चारित रूप:** Moresheth Gath
- **लिप्यंतरण:** *Môrešeṯ Gaṯ*
- **मूल लिपि:** מוֹרֶשֶׁת גַּת
- **पास्टर किम द्वारा दिया गया अर्थ:** "मंगनी की गई" (*me’ōrāśāh* / मंगेतर) और "अधिकार" से जुड़ा हुआ। यह नगर विजयी सेनाओं को विदाई उपहार के रूप में सौंप दिया जाएगा।
- **शास्त्रवचन:** मीका 1:14।
- **भाग का शीर्षक:** भविष्यद्वाणी का विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्दों का खेल।

---

# स्थान और समयरेखा

## स्थान और समय-रेखा

### उल्लिखित स्थान

| स्थान का नाम | वहाँ क्या हुआ, जैसा सिखाया गया | आधुनिक / स्थापित स्थान | बाइबल संदर्भ |
|---|---|---|---|
| **सामरिया** | उत्तरी इस्राएल की राजधानी; भ्रष्ट, मिलावटी ऊँचे स्थानों की पूजा का केंद्र; अश्शूर द्वारा ईश्वरीय विनाश का लक्ष्य। | सबस्तिया, नबलुस के उत्तर में, वेस्ट बैंक | मीका 1:1, 5–6; 2 राजा 14:23; 17:5–6 |
| **यरूशलेम** | दक्षिणी यहूदा की राजधानी; मंदिर और राजमहल का केंद्र; ऊँचे स्थानों की मूर्तिपूजा के लिए दोषी ठहराया गया; इसके फाटक तक चढ़ाई की गई। | यरूशलेम, इस्राएल | मीका 1:1, 5, 9, 12 |
| **लबो-हमात** | यारोबाम द्वितीय के अधीन इस्राएल के पुनर्स्थापित क्षेत्र की उत्तरी सीमा का चिन्ह। | बेका घाटी का उत्तरी प्रवेश द्वार / आधुनिक लेबनान-सीरिया क्षेत्र | 2 राजा 14:25 |
| **मृत सागर (अराबा का ताल)** | यारोबाम द्वितीय के अधीन इस्राएल के क्षेत्रीय विस्तार की दक्षिणी सीमा का चिन्ह। | मृत सागर, आधुनिक इस्राएल और जॉर्डन की सीमा | 2 राजा 14:25 |
| **दमिश्क** | अराम की राजधानी जिसे यारोबाम द्वितीय ने इस्राएल के लिए पुनः प्राप्त / अपने अधीन किया। | दमिश्क, सीरिया | 2 राजा 14:28 |
| **गत-हेपेर** | निचले गलील में अमितै के पुत्र योना नबी का जन्मस्थान। | खिरबेत एज-जुर्रा / मशहद, नासरत के पास | 2 राजा 14:25 |
| **गत** | पलिश्ती नगर; मीका के शब्दों के खेल में प्रयुक्त: "गत में इसकी चर्चा न करो।" | तेल एस-साफ़ी, इस्राएल | मीका 1:10 |
| **बेत-ओप्रा (बेत-अफ़्रा)** | शपेला का एक नगर जिसे धूल में लोटने का दंड मिला; "धूल का घर।" | यहूदिया की तराई (सटीक स्थान विवादित: अत-तैयिबेह) | मीका 1:10 |
| **शापीर** | यहूदिया की तराई का नगर जिसका अर्थ है "सुंदरता"; नग्न होकर बंधुआई और लज्जा के लिए ठहराया गया। | आधुनिक तेल त्ज़ाफ़ित / वादी अस-साफ़ी क्षेत्र के पास | मीका 1:11 |
| **लाकीश** | यहूदा का प्रमुख सैन्य रथ-नगर; मिस्र से घोड़े मँगवाए; "पाप का रथ" कहा गया। | तेल लाकीश (तेल अद-दुवैर), इस्राएल | मीका 1:13 |
| **मोरेषत-गत** | यहूदिया की तराई में मीका का गृह-गाँव; विदाई के उपहार के रूप में दे दिया गया। | तेल गोदेद (तेल एज-जुदैदा), बेत गुव्रीन के | मीका 1:1, 14 |

| स्थान का नाम | वहाँ क्या हुआ, जैसा सिखाया गया | आधुनिक / स्थापित स्थान | बाइबल संदर्भ |
|---|---|---|---|
| | | पास | |
| **नीनवे** | अश्शूरी साम्राज्य की राजधानी; योना के प्रचार पर पश्चाताप किया; 100 वर्ष बाद नहूम के समय नष्ट हुआ। | मोसुल, उत्तरी इराक | योना 3; नहूम 1–3 |
| **बाबेल** | ईश्वरीय न्याय को पूरा करने के लिए उभारा गया दूर का साम्राज्य; हबक्कूक में घमंड के लिए न्याय किया गया। | हिल्लाह, बाबिल प्रांत, इराक | हबक्कूक 1:6 |
| **एदोम** | इस्राएल का पड़ोसी भाई-गोत्र जिसे घमंड के लिए ओबद्याह में दोषी ठहराया गया। | दक्षिणी जॉर्डन / सेईर पर्वत | ओबद्याह 1 |

---

### उल्लिखित घटनाओं की समय-रेखा

| तिथि (पास्टर किम / बाइबल के अनुसार) | घटना | बाइबल / ऐतिहासिक संदर्भ |
|---|---|---|
| **लगभग 850–750 ई.पू.** | प्रारंभिक प्रामाणिक और सेवारत नबियों का युग: एलिय्याह, एलीशा, प्रारंभिक योना, योएल, और ओबद्याह। | दृश्य 124; 2 राजा 13–14 |
| **लगभग 789–748 ई.पू.** | उत्तरी इस्राएल पर योआश के पुत्र यारोबाम द्वितीय का शासन (41 वर्ष); अश्शूर की आंतरिक कमजोरी के दौरान लबो-हमात से लेकर मृत सागर तक बड़े पैमाने पर भू-भाग की पुनः प्राप्ति। | 2 राजा 14:23–29 |
| **लगभग 758–743 ई.पू.** | यहूदा में उज्जियाह (अजर्याह) का शासन; दक्षिण में अराबा की ओर समानांतर क्षेत्रीय विस्तार और किलाबंदी। | 2 राजा 14:22; 15:1–7; 2 इतिहास 26 |
| **लगभग 745–727 ई.पू.** | नव-अश्शूरी राजा तिग्लत-पिलेसेर तृतीय का उदय; आक्रामक पश्चिमी सैन्य अभियानों की शुरुआत; इस्राएल के स्वर्णिम युग का अंत। | 2 राजा 15:19, 29; दृश्य 128 |
| **लगभग 740–700 ई.पू.** | आत्मिक व्यभिचार, अन्याय और अगुवाई के भ्रष्टाचार का सामना करने वाली होशे, आमोस, मीका, और यशायाह की भविष्यद्वाणी की सेवकाइयाँ। | होशे 1:1; आमोस 1:1; मीका 1:1; यशायाह 1:1 |
| **लगभग 735–732 ई.पू.** | सीरिया-एप्रैम संकट: गठबंधन से इनकार करने पर अराम (रसीन) और इस्राएल (पेकह) के अश्शूर-विरोधी गठबंधन द्वारा यहूदा (आहाज) पर हमला। | 2 राजा 16:5; यशायाह 7:1–14 |

| तिथि (पास्टर किम / बाइबल के अनुसार) | घटना | बाइबल / ऐतिहासिक संदर्भ |
|---|---|---|
| **722 ई.पू.** | शल्मनेसेर पंचम और सरगोन द्वितीय द्वारा सामरिया का पतन और इस्राएल के उत्तरी राज्य का विनाश; इस्राएलियों का बड़े पैमाने पर निर्वासन। | 2 राजा 17:1–6; दृश्य 134 |
| **701 ई.पू.** | यहूदा के गढ़वाले नगरों (लाकीश और मोरेषत सहित) के विरुद्ध सन्हेरीब का अभियान; अश्शूरी सेना का यरूशलेम के फाटकों तक आगे बढ़ना। | मीका 1:9–16; 2 राजा 18:13–17 |
| **लगभग 612 ई.पू.** | नहूम की भविष्यवाणी को पूरा करते हुए नीनवे का पूरी तरह पतन और विनाश (योना की पीढ़ी के लगभग 100 वर्ष बाद)। | नहूम की पुस्तक |
| **लगभग 586 ई.पू.** | बाबेल द्वारा यरूशलेम का पतन और सुलैमान के मंदिर का विनाश। | 2 राजा 25; यिर्मयाह 52 |

---

# शिक्षा की रूपरेखा

## मीका की पुस्तक और छोटे नबियों का परिचय

**मुख्य पाठ:** मीका 1:1–9 (2 राजा 14:23–29 और मीका 1:10–14 के साथ)
**मुख्य विचार:** नबियों का वचन पश्चाताप के एक दर्पण के रूप में हमारी झूठी सुरक्षा और बिगड़ी हुई आराधना को उजागर करता है, साथ ही आशा की एक खिड़की के रूप में मसीह की ओर संकेत करता है जो अपने नम्र बचे हुए लोगों को पूरी तरह से पुनर्स्थापित करते हैं।

---

#### चरण 1: बारह नबी उद्धार की एक ही कहानी बनाते हैं

- **पवित्र शास्त्र:** मीका 1:1; 5:2; हबक्कूक 2:4; योना 3–4; नहूम 1–3
- **गहरी समझ:** बारह छोटे नबी कोई बारह अलग-थलग पुस्तकें नहीं हैं। वे एक ही कहानी सुनाते हैं: इस्राएल की बेवफाई (होशे) से लेकर संपूर्ण सृष्टि की पुनर्स्थापना तक। ठीक इसके केंद्र में मीका खड़ा है, जो "छोटा यशायाह" है, और सीधे बेतलेहेम में जन्म लेने वाले मसीह और एक विश्वासी बचे हुए भाग की सुरक्षा की ओर संकेत करता है।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 115, दृश्य 116, दृश्य 117

#### चरण 2: भौतिक समृद्धि हमें आत्मिक खतरे के प्रति अंधा बना सकती है

- **पवित्र शास्त्र:** 2 राजा 14:23–29; मीका 1:1–5

- **गहरी समझ:** यारोबाम द्वितीय के अधीन, इस्राएल की सीमाएँ लबो-हमात से मृत सागर तक फैल गईं क्योंकि अश्शूरी साम्राज्य अस्थायी रूप से कमजोर था। लोगों ने शांति और धन-दौलत का आनंद लिया, लेकिन उनके भरे हुए खत्तों ने खोखली आराधना और ऊँचे स्थानों की मूर्तिपूजा को जन्म दिया। जब अश्शूर फिर से शक्तिशाली हुआ, तो उनकी झूठी सुरक्षा ढह गई।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 128, दृश्य 130, दृश्य 131, दृश्य 135

#### चरण 3: तीन आवाजें, हृदय के लिए एक संदेश

- **पवित्र शास्त्र:** होशे 1:1–2; आमोस 5:24; मीका 3:1–4; 6:8
- **गहरी समझ:** आठवीं सदी के ये तीन नबी तीन गंभीर विफलताओं का सामना करते हैं: होशे पूछता है, "तुम्हारा सच्चा पति कौन है?" और बेवफा हृदयों को लौटने (*shuv*) के लिए पुकारता है; आमोस पूछता है, "तुम्हारा सच्चा स्वामी (*Ambuye*) कौन है?" और न्याय (*tzedaqah*) की मांग करता है; मीका भ्रष्ट अगुवों को बेनकाब करता है और परमेश्वर की ओर सच्चे चरवाहे और आने वाले राजा के रूप में संकेत करता है।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 138, दृश्य 119

#### चरण 4: नबी प्रचार करने से पहले रोता है

- **पवित्र शास्त्र:** मीका 1:8–9
- **गहरी समझ:** जब मीका ने आने वाले न्याय को देखा, तो उसने जश्न नहीं मनाया। उसने अपने बाहरी वस्त्र उतार दिए, एक बंदी दास की तरह नंगे पाँव चला, और रात में गीदड़ की तरह चीखने-चिल्लाने लगा। सच्ची पास्टरिय और भविष्यद्वाणी की सेवकाई कलीसिया की टूटी हुई दशा पर आँसुओं और मध्यस्थता के साथ शुरू होती है।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 1 (शब्दों का खेल और विलाप)

#### चरण 5: झूठी सुरक्षा ढह जाती है, परन्तु पुनर्स्थापना संपूर्ण होती है

- **पवित्र शास्त्र:** मीका 1:10–14
- **गहरी समझ:** मीका ने यहूदा के नगरों के नामों पर शब्दों का खेल खेला: शापीर ("सुंदरता") को नंगा कर दिया गया, और लाकीश ("रथों का नगर") ने पाया कि उसके मँगवाए गए घोड़े उसे परमेश्वर की पवित्र आग से नहीं बचा सके। फिर भी, जैसे परमेश्वर की ताड़ना हर नगर तक पहुँची, वैसे ही यीशु मसीह में उसका पुनर्स्थापित करने वाला अनुग्रह हर गाँव, समुदाय और जाति तक पहुँचता है।
- **सहायक दृश्य:** दृश्य 137, दृश्य 2 (अध्ययन सामग्री)

---

#### अंतिम प्रतिक्रिया

परमेश्वर के सामने अपने हृदय की जाँच करें:

1. **दर्पण:** आप परमेश्वर के स्थान पर किस बात का सहारा ले रहे हैं? क्या यह धन, भवन, नाम या इंसानी संबंध हैं?

2. **खिड़की:** अपनी कमजोरी के पार यीशु मसीह की ओर देखें। पूरी तरह से पश्चाताप करें, और उसके पुनर्स्थापित बचे हुए लोगों के भाग के रूप में अपने परमेश्वर के साथ नम्रता से चलें।

---

# अध्ययन मार्गदर्शिका

## अध्ययन मार्गदर्शिका: मीका और छोटे नबियों का परिचय

### मुख्य सत्य

परमेश्वर अपनी कलीसिया को बुलाता है कि वह छोटे नबियों को केवल प्राचीन इतिहास के रूप में न पढ़े, बल्कि एक ऐसे दर्पण के रूप में पढ़े जो झूठी सुरक्षा और भ्रष्ट आराधना को उजागर करता है, और एक ऐसी खिड़की के रूप में पढ़े जो उस मसीह को प्रकट करती है जो एक नम्र बचे हुए भाग को सुरक्षित रखता है और पूरी तरह से पुनर्स्थापित करता है।

### मुख्य पद

> "इस कारण मैं छाती पीटकर हाय-हाय, करूँगा; मैं लुटा हुआ सा और नंगा चला फिरा करूँगा; मैं गीदड़ों के समान चिल्लाऊँगा, और शुतुर्मुर्गों के समान रोऊँगा। क्योंकि उसका घाव असाध्य है; और विपत्ति यहूदा पर भी आ पड़ी, वरन् वह मेरे जातिभाइयों पर पड़कर यरूशलेम के फाटक तक पहुँच गई है।" (मीका 1:8–9 (IRV))

---

### पृष्ठभूमि संबंधी टिप्पणियाँ

1. **बारह नबियों की पुस्तक:** प्राचीन इब्रानी बाइबलों में, बारह छोटे नबियों को एक ही चर्मपत्र पर एक साथ लिखा गया था जिसे *बारह* (*The Twelve*) कहा जाता था। अलग-थलग अंश होने के बजाय, वे एक सुविचारित विषयगत यात्रा को दर्शाते हैं: वाचा का टूटना, ईश्वरीय ताड़ना, सार्वभौमिक न्याय, और मसीह के माध्यम से अंतिम पुनर्स्थापना।
2. **यारोबाम द्वितीय का युग (लगभग 789–748 ई.पू.):** 2 राजा 14:23–29 लबो-हमात से मृत सागर तक उत्तर के विस्तार के स्वर्णिम युग का वर्णन करता है। चूँकि अश्शूर अपने आंतरिक संघर्षों में उलझा हुआ था, इसलिए इस्राएल और यहूदा ने तेजी से आर्थिक वृद्धि का अनुभव किया। फिर भी, इस धन-दौलत ने व्यवस्थागत उत्पीड़न, झूठे भरोसे और अन्यजाति मूर्तिपूजा के मिश्रण को जन्म दिया।
3. **नव-अश्शूरी खतरा:** यारोबाम द्वितीय के बाद एक ही पीढ़ी के भीतर, अश्शूर ने तिग्लत-पिलेसेर तृतीय के अधीन सैन्य शक्ति पुनः प्राप्त कर ली। 722 ई.पू. में सामरिया को नष्ट कर दिया गया, और बाद में सन्हेरीब यहूदा के सीमावर्ती गढ़वाले नगरों से होते हुए सीधे यरूशलेम के फाटक तक पहुँच गया (701 ई.पू.)।
4. **मीका 1 में भविष्यद्वाणी से जुड़ा शब्दों का खेल:** मीका 1:10–14 में, मीका शपेला (यहूदिया की तराई) के स्थानीय नगरों के शाब्दिक नामों का उपयोग यह दिखाने के लिए करता है कि उनकी सबसे गर्वित विशेषताएँ ही उनका विनाश कैसे बन जाएँगी: बेत-ओप्रा ("धूल का घर") धूल में लोटता है; शापीर ("सुंदरता") लज्जित होता है; लाकीश ("रथों का नगर") अपने घोड़ों को व्यर्थ पाता है।

---

**चर्चा के लिए प्रश्न**

1. **कहानी को समझना:** मीका 1:1–5 के साथ 2 राजा 14:23–29 को पढ़ें। इस अवधि के दौरान इस्राएल ने स्वयं को इतना सुरक्षित क्यों महसूस किया, और उनके आत्मिक स्वास्थ्य का परमेश्वर द्वारा वास्तविक मूल्यांकन क्या था?
2. **भविष्यद्वाणी का दर्पण:** पास्टर किम ने समझाया कि भविष्यद्वाणी की पुस्तकें पहले एक *दर्पण* और फिर एक *खिड़की* के रूप में काम करती हैं। जब आप मीका 1 में देखते हैं, तो आप अपने जीवन या कलीसिया में आत्मनिर्भरता या औपचारिक, खोखली आराधना के कौन-से सूक्ष्म रूप देखते हैं?
3. **एक चरवाहे का हृदय:** मीका 1:8 पढ़ें। आने वाले न्याय पर खुश होने के बजाय, मीका ने अपने जूते उतार दिए और गीदड़ की तरह विलाप किया। मीका की यह टूटे हुए दिल वाली प्रतिक्रिया हमारे आस-पास के नैतिक पतन और सांस्कृतिक गिरावट पर हमारी प्रतिक्रिया को कैसे चुनौती देती है?
4. **हम अपना भरोसा कहाँ रखते हैं?** मीका ने लाकीश को इसलिए दोषी ठहराया क्योंकि उसने यहोवा के बजाय मिस्र से मँगवाए गए युद्ध-रथों पर भरोसा किया (मीका 1:13)। आज कलीसियाओं और अगुवों को किन आधुनिक "रथों" (संसाधनों, रणनीतियों, राजनीतिक प्रभाव) पर निर्भर रहने का प्रलोभन होता है?
5. **बचे हुए भाग के रूप में जीना:** नबियों की *खिड़की* के माध्यम से, हम अपने सच्चे चरवाहे यीशु मसीह को देखते हैं। व्यावहारिक रूप से, इस सप्ताह एक छोटे समूह या स्थानीय कलीसिया के लिए परमेश्वर के विश्वासी, नम्र बचे हुए भाग के रूप में जीने का क्या अर्थ है?

---

**फ़ोन के लिए सारांश (WhatsApp / SMS)**

छोटे नबी कोई पुरानी धूल-भरी तारीख नहीं हैं; वे एक ऐसा दर्पण हैं जो हमारी झूठी सुरक्षा और खोखली आराधना को उजागर करता है, और एक ऐसी खिड़की हैं जो मसीह की पुनर्स्थापित करने वाली दया को प्रकट करती है। जब यारोबाम द्वितीय के समय में इस्राएल के खत्ते भरे हुए थे और सीमाएँ सुरक्षित थीं, तब उनके दिल मूर्तियों और शारीरिक घमंड की ओर मुड़ गए। मीका की तरह, हमें भी समझौते वाली आराधना पर विलाप करना चाहिए और यीशु की ओर देखना चाहिए, जो सच्चा चरवाहा है और अपने लोगों को सुरक्षित रखता है तथा पूरी तरह से चंगा करता है। *"इस कारण मैं छाती पीटकर हाय-हाय, करूँगा; मैं लुटा हुआ सा और नंगा चला फिरा करूँगा; मैं गीदड़ों के समान चिल्लाऊँगा, और शुतुर्मुर्गों के समान रोऊँगा।" (मीका 1:8 (IRV))*

---

# प्रार्थना

## "मीका की पुस्तक और लघु भविष्यद्वक्ताओं का परिचय" के साथ एक प्रार्थना

*मीका 1:1-9*

हे सेनाओं के यहोवा, स्वर्ग के राजा,
आप अपने स्वर्गीय भवन से नीचे उतरते हैं
और पृथ्वी के ऊँचे स्थानों पर पाँव रखते हैं।
केवल आप ही सब जातियों के स्वामी हैं

और सारी पृथ्वी के सर्वोच्च न्यायी हैं।
आप पास और दूर के हर घमंडी को नीचा करते हैं,
और हर राजनीतिक शक्ति पर राज्य करते हैं।

फिर भी आप अपने लोगों के सच्चे पति भी हैं,
वाचा के अटूट प्रेम से भरपूर हैं,
और अपनी भेड़ों की अगुवाई करनेवाले सच्चे चरवाहे हैं।
आप विद्रोह का बदला लेने में कभी पीछे नहीं हटते,
और जो कोई भी आपकी ओर लौटता है, उस पर दया करने में कभी नहीं रुकते।
जब आपके लोग घोर संकट में थे और कोई सहायता करनेवाला नहीं था,
तब आपने उनके दुःख को देखा और उनके नाम को मिटने नहीं दिया,
बल्कि अपने सेवकों, अर्थात् भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा अपना वचन सुनाया।

हम आपके भविष्यद्वाणी के वचन के दर्पण में अपने आप को देखते हैं
और अपनी दुष्टता और भ्रष्टता को मान लेते हैं।
सुख-समृद्धि के दिनों में हम आपसे दूर भटक गए,
अपनी आराधना में आपका आदर करने में चूक गए,
और आत्मिक व्यभिचार और अन्याय के द्वारा आपकी वाचा को तोड़ दिया।

यहूदा के नगरों के समान, हमने अपने ही रथों पर भरोसा रखा है,
और केवल आप पर निर्भर रहने के बजाय
अपनी शक्ति, संसाधनों, सुंदरता और धन पर घमंड किया है।
हमारे घमंड को और अगुवों के रूप में हमारी असफलताओं को क्षमा कीजिए,
और यीशु मसीह के द्वारा हमारी लज्जा को ढाँप दीजिए।

हम आपका धन्यवाद करते हैं कि जिस प्रकार आपका न्याय पूरा और पक्का है,
उसी प्रकार आपका उद्धार और आपकी बहाली भी पूरी और पक्की है।
हम आपकी स्तुति करते हैं उस प्रतिज्ञा किए हुए मसीहा के लिए जो बेतलेहेम में जन्मा,
जिसने क्रूस पर चढ़कर हमारे लिए यहोवा के दिन का दंड अपने ऊपर ले लिया।
यीशु मसीह के द्वारा, आप दाऊद के गिरे हुए डेरे को फिर से खड़ा करते हैं
और अपनी कलीसिया को नया बचा हुआ हिस्सा बनाते हैं,
ताकि धर्मी जन विश्वास से जीवित रहें।

हमारे हृदयों को अपने टूटे हुए हृदय के लिए खोल दीजिए,
ताकि हम अपनी कलीसियाओं और देशों में बिगड़ी हुई आराधना के लिए शोक मना सकें।
हमारे भीतर से हर पाप और झूठे भरोसे को जड़ से निकाल बाहर कीजिए,
और सच्चे तथा गहरे पश्चाताप के द्वारा हमें पूरी बहाली की ओर ले चलिए।

जातियों के बीच चल रहे संघर्षों पर अपना शासन कीजिए,
विश्वासयोग्य अगुवों और सच्चे भविष्यद्वक्ताओं को खड़ा कीजिए,

और हर नगर और दूर-दराज़ के कस्बे में अपनी बहाली ले आइए।

हे प्रभु, हम यहाँ आपके सम्मुख उपस्थित हैं।
आपके वचन की खिड़की से झाँकते हुए,
हम उस बचे हुए समाज को देखते हैं जो आपने हमें मसीह में बनाने के लिए ठहराया है।
हम नम्र हृदय के साथ आपकी ओर लौटते हैं,
ताकि हम आपको सच्चाई से जानें, न्याय को समझें, और आपके साथ नम्रता से चलें।

हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा,
जो नई सृष्टि के प्रतिज्ञा किए हुए चरवाहे और राजा हैं,
उन्हीं की महिमा सदा-सर्वदा होती रहे।
आमीन।

**आशीष**

प्रभु, जो अनुग्रह से अपने बचे हुए लोगों का उद्धार करता है,
आपको परमेश्वर की सच्ची पहचान दे,
उसके न्याय को जानना और उस पर चलना सिखाए,
और अब से लेकर सदा तक आपको अपने साथ नम्रता से चलने की अगुवाई करे।
आमीन।[1]

---

*[1] मीका 6:8 पर आधारित।*

*इस प्रार्थना के मूल बाइबल संदर्भ: मीका 1:1-9; मीका 1:10-15; मीका 5:2; मीका 6:8; 2 राजा 14:23-28; हबक्कूक 2:4; आमोस 9:11; होशे 1:1।*

*पास्टर हून किम के व्याख्यान के साथ, AI की सहायता से लिखी गई एक प्रार्थना। ये उनके अपने शब्द नहीं हैं। पूरी जाँच से पहले 11 नवंबर 2026 को साझा किया गया।*

---

# दोहराने के प्रश्न

## पुनरीक्षण प्रश्नोत्तरी: मीका की पुस्तक और छोटे नबियों की भूमिका

**प्रश्न**

1. **बहुविकल्पीय:** व्याख्यान के अनुसार, बारह छोटे नबियों की पुस्तकों को एक ही एकीकृत रचना के रूप में क्यों पढ़ा जाना चाहिए?
2. क) क्योंकि वे सब एक ही नबी द्वारा लिखी गई थीं।
3. ख) क्योंकि वे वाचा की विफलता से लेकर मसीह में सृष्टि की पुनर्स्थापना तक की एक स्पष्ट विषयगत प्रगति को दर्शाती हैं।

4. ग) क्योंकि वे सब बाबुल के बंधुआई के दौरान लिखी गई थीं।
5. घ) क्योंकि वे केवल अन्यजातियों को संबोधित करती हैं।

1. **लघु उत्तरीय:** उन दो संगी पुस्तकों के नाम बताइए जो मीका की पुस्तक के आस-पास हैं, जो एक ओर नीनवे के प्रति परमेश्वर की अटूट दया को और दूसरी ओर 100 वर्ष बाद नीनवे के विरुद्ध उसके अडिग न्याय को दर्शाती हैं।

1. **बहुविकल्पीय:** किस उत्तरी राजा ने सामरिया में इकतालीस वर्ष तक राज्य किया और इस्राएल की सीमाओं का विस्तार लबो-हमात से लेकर अराबा के ताल (मृत सागर) तक किया, जैसा कि अमित्तै के पुत्र योना द्वारा भविष्यवाणी की गई थी?
2. क) अहाब
3. ख) नबात का पुत्र यारोबाम
4. ग) योआश का पुत्र यारोबाम (यारोबाम द्वितीय)
5. घ) होशे

1. **लघु उत्तरीय:** किस अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक परिस्थिति ने ईसा पूर्व आठवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में इस्राएल और यहूदा को अपने क्षेत्र का विस्तार करने और भारी आर्थिक समृद्धि का आनंद लेने का अवसर दिया?

1. **सुमेलित कीजिए:** आठवीं शताब्दी के प्रत्येक नबी को उसके केंद्रीय धर्मसैद्धांतिक प्रश्न और मुख्य विषय के साथ सुमेलित कीजिए:
2. 1. होशे
3. 2. आमोस
4. 3. मीका
5. *विषय:*
6. क. "इस्राएल का सच्चा स्वामी (*अम्बूये*) कौन है?" / सामाजिक न्याय और धार्मिकता (*त्सेदाकाह*)
7. ख. "इस्राएल का सच्चा चरवाहा और राजा कौन है?" / अगवों का भ्रष्टाचार और आने वाला मसीह
8. ग. "इस्राएल का सच्चा पति कौन है?" / आत्मिक व्यभिचार और वाचा की ओर लौटना (*शूव*)

1. **लघु उत्तरीय:** व्याख्यान में, पास्टर किम ने नबियों की पुस्तकों को पढ़ने के लिए दो-भागों वाला अर्थमीमांसा ढाँचा प्रस्तुत किया: *दर्पण* और *खिड़की*। मसीही कलीसिया के लिए ये दोनों क्या दर्शाते हैं?

1. **बहुविकल्पीय:** मीका 1:8 में, सामरिया और यहूदा पर आने वाले ईश्वरीय न्याय का दर्शन देखकर नबी ने कैसी प्रतिक्रिया दी?
2. क) वह आनंदित हुआ कि परमेश्वर उसके राजनीतिक शत्रुओं को नष्ट कर देगा।
3. ख) वह रोया, उसने अपने वस्त्र उतार दिए, नंगे पाँव चला, और गीदड़ के समान रोने लगा।
4. ग) वह फीनीके के जहाज पर सवार होकर तर्शीश को भाग गया।
5. घ) उसने तुरंत सैन्य किलेबंदी के लिए राजा हिजकिय्याह से याचिका की।

1. **लघु उत्तरीय:** मीका ने मीका 1:13 में लाकीश के गढ़ वाले नगर को "सिय्योन की बेटी के पाप का आरंभ" क्यों कहा?

1. **बहुविकल्पीय:** मीका की कौन सी प्रसिद्ध भविष्यवाणी मसीह के जन्मस्थान की पूर्वसूचना देती है, जो बाद में यीशु के जन्म के सुसमाचार के वृत्तांतों में पूरी हुई?
2. क) मीका 1:10
3. ख) मीका 4:1
4. ग) मीका 5:2
5. घ) मीका 6:8

1. **लघु उत्तरीय:** पास्टर किम ने इस सच्चाई से क्या धर्मसैद्धांतिक तसल्ली निकाली कि परमेश्वर का न्याय मीका 1:10–14 में तराई के हर एक नगर तक पहुँचा?

---

**उत्तर कुंजी**

1. **ख**, छोटे नबियों की पुस्तकें वाचा तोड़ने से लेकर मसीह में सृष्टि की पुनर्स्थापना तक की विषयगत प्रगति को दर्शाती हैं (भाग: *बारह नबी एक एकीकृत पुस्तक के रूप में*)।
2. **योना** (दया) और **नहूम** (बदला/न्याय) (भाग: *बारह नबी एक एकीकृत पुस्तक के रूप में*)।
3. **ग**, योआश का पुत्र यारोबाम, जिसे यारोबाम द्वितीय के रूप में जाना जाता है [2 राजा 14:23–25] (भाग: *ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: समृद्धि और अश्शूर का खतरा*)।
4. **अश्शूरी साम्राज्य का अस्थायी आंतरिक राजनीतिक संकट और उसकी दुर्बलता** (भाग: *ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: समृद्धि और अश्शूर का खतरा*)।
5. **1 = ग** (होशे: पति / *शूव*); **2 = क** (आमोस: स्वामी / *त्सेदाकाह*); **3 = ख** (मीका: चरवाहा / मसीह) (भाग: *आठवीं शताब्दी के नबियों की तुलना*)।
6. **दर्पण** हमारे व्यक्तिगत और कलीसियाई पापों को उजागर करता है, जबकि **खिड़की** यीशु मसीह को और पुनर्स्थापित बचे हुए लोगों की कलीसिया के रूप में हमारी सच्ची पहचान को प्रकट करती है (भाग: *आठवीं शताब्दी के नबियों की तुलना*)।
7. **ख**, मीका ने अपने लोगों की ओर से शारीरिक विलाप के साथ पश्चाताप किया: रोते हुए, नंगे पाँव, कैदी के समान नग्न होकर, गीदड़ और शुतुरमुर्ग के समान विलाप करते हुए (भाग: *नबियों का विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्दों का खेल*)।
8. लाकीश यहूदा की प्रमुख सैन्य छावनी थी जिसने जीवित परमेश्वर पर भरोसा करने के बजाय **मिस्र से मंगाए गए युद्ध के घोड़ों और रथों पर भरोसा किया** (भाग: *नबियों का विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्दों का खेल*)।
9. **ग**, मीका 5:2 (मत्ती 2:5–6 में उद्धृत) (भाग: *बारह नबी एक एकीकृत पुस्तक के रूप में*)।
10. **जिस प्रकार परमेश्वर का शुद्ध करने वाला न्याय पूरी तरह से हर जगह पहुँचता है, उसी प्रकार मसीह में उसका अनुग्रह और पुनर्स्थापना भी उतनी ही परिपूर्ण है**, जो हर दूर-दराज के गाँव, कस्बे और

कलीसिया तक पहुँचती है (भाग: *नबियों का विलाप और यहूदा के नगरों पर शब्दों का खेल*)।

---

# तीन मिनट में

## तीन मिनट में व्याख्यान

इस शिक्षण का शीर्षक है "मीका की पुस्तक और छोटे नबियों की भूमिका", जो मीका अध्याय एक, पद एक से नौ पर आधारित है, और जिसे N.E.W. Church के पास्टर हून किम द्वारा सिखाया गया है। पास्टर किम समझाते हैं कि बारह छोटे नबी अलग-थलग लेख नहीं हैं, बल्कि एक एकीकृत कहानी हैं जो पुराने नियम को सीधे यीशु मसीह से जोड़ती है। मीका को अक्सर एक छोटा यशायाह कहा जाता है क्योंकि इसमें प्रमुख भविष्यद्वाणी विषय शामिल हैं: बेतलेहेम में जन्म लेने वाला आने वाला मसीह, बचे हुए लोग जो न्याय के बीच से होकर गुजरते हैं, और महिमामय पुनर्स्थापित राज्य। मीका को वास्तव में समझने के लिए, हमें उस समय को समझना होगा। दूसरे राजा अध्याय चौदह में, राजा यारोबाम द्वितीय के अधीन, इस्राएल ने अपनी सीमाओं का विस्तार किया और महान आर्थिक और सैन्य समृद्धि का आनंद लिया। फिर भी उस धन-दौलत के कारण लोग भटक कर मूर्तिपूजा में गिर गए। इसके तुरंत बाद, क्रूर और निर्दयी अश्शूरी साम्राज्य आगे बढ़ने लगा। उस संकट की घड़ी में, परमेश्वर ने नबियों को खड़ा किया। होशे ने आत्मिक व्यभिचार का सामना किया, आमोस ने सामाजिक अन्याय का विरोध किया, और मीका ने भ्रष्ट अगुवों, न्यायियों और याजकों का सामना किया जो झुंड की चरवाही करने में विफल रहे थे। एक प्रभावशाली उदाहरण जो पास्टर किम साझा करते हैं, वह यह है कि भविष्यद्वाणी की पुस्तकें दर्पण और खिड़की दोनों का काम करती हैं। एक दर्पण के रूप में, वे हमारे अपने पापों, हमारे घमंड और हमारी आत्मिक विफलताओं को दिखाती हैं। एक खिड़की के रूप में, वे हमें यीशु मसीह को देखने देती हैं और प्रकट करती हैं कि परमेश्वर ने हमें अपनी नई वाचा के लोगों, यानी कलीसिया के रूप में क्या बनने के लिए बनाया है। जब हम मीका अध्याय एक की ओर मुड़ते हैं, तो सेनाओं का यहोवा स्वर्ग से उतरता है क्योंकि सामरिया और यरूशलेम की आराधना भ्रष्ट हो गई थी। घमंडी या तटस्थ होने के बजाय, मीका नबी गहरे भावनात्मक दुख के साथ प्रतिक्रिया देता है। वह रोता है, एक कैदी के समान नंगे पाँव चलता है, और एक उल्लू की तरह विलाप करता है, और लोगों के पापों पर परमेश्वर के टूटे हुए हृदय का बोझ उठाता है। बाद में, मीका यहूदा के नगरों के नामों पर शब्दों का खेल खेलता है। उदाहरण के लिए, लाकीश नगर ने परमेश्वर के बजाय मिस्र से मंगाए गए रथों और घोड़ों पर भरोसा किया, इसलिए मीका इसे पाप का रथ कहता है। परमेश्वर को छोड़कर हम जिस किसी भी बात पर घमंड करते हैं, वह लज्जा का कारण बन जाती है। फिर भी मीका अपनी सैंडविच संरचना के माध्यम से असीम आशा प्रदान करता है: जिस प्रकार परमेश्वर का न्याय हर नगर तक पहुँचता है, उसी प्रकार उसकी अनुग्रहकारी पुनर्स्थापना हर उस स्थान को पूरी तरह से नया कर देगी जहाँ लोग सच्चे पश्चाताप में उसकी ओर लौटते हैं।

Scripture quotations taken from The Holy Bible, New International Version® NIV® Copyright © 1973, 1978, 1984, 2011 by Biblica, Inc.™ Used by permission. All rights reserved worldwide.

पवित्रशास्त्र के उद्धरण: इंडियन रिवाइज्ड वर्ज़न (IRV) हिंदी, कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 ब्रिज कनेक्टिविटी सॉल्यूशंस, क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरअलाइक 4.0 लाइसेंस (CC BY-SA 4.0) के अंतर्गत, eBible.org से। Scripture quotations: Indian Revised Version (IRV) Hindi, Copyright © 2017, 2018, 2019 by Bridge Connectivity

Solutions, used under the Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 license (CC BY-SA 4.0), from eBible.org.